अपराधों और हत्याओं की संख्या निम्न प्रकार से है:—

वर्ष	अपराध	हत्या
1988 .	34,443	296
1989 .	38,249	351
1.1.90 से 30.6.90 तक	62,037	636

हत्याओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के प्रमुख कारण तेजी से हो रहे शहरीकरण और जनसंख्या में वृद्धि के कारण उत्पन्न आर्थिक हालात और सामाजिक तनाव है।

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए कदमों में गस्त में बढ़ोतरी संवेदनशील स्थानों पर टुकड़ियों की तैनाती, आसूचना को मजबूत करना, अपराधियों के छिपने के स्थानों पर बार-बार छापे मारना, सतर्कता में वृद्धि पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकों, ज्ञात अपराधियों के खिलाफ निष्कासन कार्रवाई करना इत्यादि शामिल है।

Evaluation of the functioning of Mahanagar Telephone Nigam Limited in Delhi and Bombay

649. SHRI SURESH KALMADI-. Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have evaluated the functioning of Mahanagar Telephone Nigam Limited in Delhi and Bombay;

(b) if so, what are the findings;

(c) whether Government propose to establish similar Corporations for other major cities in the country; and

(d) if so, the details of the proposal?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir. The Quality of Telephone Service (QOTS) in Bombay and Delhi Telephone Systems under the Mahanagar Telephone Nigam Limited has been evaluated by an independent agency viz. the Administrative Staff College of India, Hyderabad (ASCI).

(b) The findings are that there has been perceptible improvement in QOTS in Delhi and Bombay.

(c) There is no proposal under consideration of the Government at present to establish similar Corporation for other major cities in the country.

(d) Does not arise.

टेलीफोनों के लिए तीन श्रेणियों की प्रतीक्षा सूचियां

650. डा० अबरार अहमद : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय राजस्थान के जिला मुख्यालयों में टेलीफोनों के लिए तीन श्रेणियों अर्थात् सामान्य, ओ०वाई० टी० और माननीय मंत्री द्वारा बिना बारी के आधार पर मंजूर टेलीफोनों की प्रतीक्षा सूचियों में कितने-कितने व्यक्ति हैं और प्रतीक्षा सूचियों की इन तीन श्रेणियों के व्यक्तियों को कब तक टेलीफोन उपलब्ध करा दिये जायेंगे ;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि राजस्थान में टेलीफोन लगाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त हैं ;

(ग) यदि हां, तो उसे समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(घ) निकट भविष्य में राजस्थान में किन-किन स्थानों पर नये टेलीफोन केन्द्र स्थापित किए जाने की संभावना है और उनकी क्षमता कितनी-कितनी होगी ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) अपेक्षित जानकारी विवरण में दी गई है, जिसे सभा पटल पर रख दिया गया है।